छः बातें जिनके द्वारा परमेश्वर मनुष्य के भीतर की बुराई को
दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के महान नाम में मैं तुम्हें नमस्कार करता हूँ। परमेश्वर के वचन का अध्ययन करने के लिए आपका स्वागत है।
आज हम छह प्रमुख बातों को देखेंगे जिनके द्वारा परमेश्वर मनुष्य के भीतर की बुराई को निकालता है और उसे पूर्ण रूप से पवित्र बनाता है — जैसा वह स्वयं है।

यदि तुमने मसीह का अनुसरण करना आरंभ किया है, तो यह अपेक्षा रखो कि परमेश्वर इन छह तरीकों से तुम्हारे जीवन में कार्य करेगा ताकि तुम्हें सिद्ध करे।

1. रक्त
2. जल
3. आग
4. लाठी (अनुशासन)
5. झाड़ना / पवन चलाना (सफाई)
6. औषधि

1. रक्त

हम सब पाप के ऋण के साथ जन्मे हैं, इसलिए हम मृत्यु के दंड के

छः बातें जिनके द्वारा परमेश्वर मनुष्य के भीतर की बुराई को
दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

योग्य थे (रोमियों 6:23)।
परंतु हमारे प्रभु यीशु मसीह ने उस ऋण को अपने क्रूस के बलिदान से चुका दिया (रोमियों 5:8)।
उसके रक्त के बहाने से हमें “पापों की क्षमा” मिली है — अनुग्रह से, बिना किसी मूल्य के।

कोई भी मनुष्य अपने बल से परमेश्वर के सामने धर्मी नहीं ठहर सकता।
इसलिए यीशु का रक्त वह प्रथम चरण है जिसके द्वारा हम परमेश्वर के स्वीकार्य बनते हैं।

परन्तु क्षमा मिलने के बाद भी पाप हमारे भीतर रह सकता है। परमेश्वर का उद्देश्य केवल क्षमा देना नहीं है, बल्कि हमें भीतर से बदलना है।
जैसे एक सच्चा प्रेम करने वाला व्यक्ति जिसे किसी ने ठेस पहुँचाई, क्षमा करने के बाद यह नहीं चाहता कि वही गलती फिर दोहराई जाए; वह उसे सही मार्ग दिखाता है ताकि वह स्थिर रह सके। इसी प्रकार, जब परमेश्वर हमें क्षमा करता है, तब वह हमें पवित्र आत्मा के द्वारा शुद्ध करना आरंभ करता है — जो हमारे भीतर निवास करता है।
यहीं से दूसरा चरण आरंभ होता है:

छः बातें जिनके द्वारा परमेश्वर मनुष्य के भीतर की बुराई को दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

2. वचन

बाइबल कहती है कि वचन जल के समान है जो शुद्ध करता है।

इफिसियों 5:26–27
“कि वह उसे वचन के द्वारा जल से धोकर पवित्र करे,
और अपने लिये ऐसी कलीसिया तैयार करे जो महिमामयी हो, जिसमें
न कलंक, न झुर्री, न कोई ऐसी वस्तु हो, परन्तु वह पवित्र और निर्दोष हो।”

मसीह अपनी कलीसिया को वचन के द्वारा शुद्ध करता है।
इसलिए यदि तुमने यीशु को ग्रहण किया है, तो तुम्हें प्रतिदिन उसके वचन को पढ़ना और सुनना आवश्यक है — उसकी शिक्षा, चेतावनी और आज्ञाएँ (2 तीमुथियुस 3:16)।
जितना अधिक तुम वचन में स्थिर रहोगे, उतना ही तुम्हारा हृदय और आत्मा शुद्ध होती जाएगी, और तुम देखोगे कि तुम्हारा जीवन पहले जैसा नहीं रहा।

बाइबल केवल एक प्रतीक या शोभा की वस्तु नहीं है — यह वही जल है जिससे तुम शुद्ध होते हो।
इसलिए प्रतिदिन “स्नान” करो, अर्थात् वचन में बने रहो, ताकि तुम पवित्र बने रहो।

छः बातें जिनके द्वारा परमेश्वर मनुष्य के भीतर की बुराई को
दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

3. आग

हर प्रकार की अशुद्धता जल से नहीं जाती — कुछ को निकालने के लिए आग की आवश्यकता होती है।
जैसे सोने को शुद्ध करने के लिए उसे आग में गलाना पड़ता है ताकि अशुद्धियाँ अलग हो जाएँ।

इसी प्रकार परमेश्वर अपने बच्चों को आग के परीक्षण से निकालता है, ताकि गहरी जड़ें जमाए हुए दोष हट जाएँ।
इसे ही “आग का बपतिस्मा” कहा गया है।

राजा नबूकदनेस्सर इसका उदाहरण है (दानिय्येल 4) — उसे सात वर्ष तक वन में रहना पड़ा ताकि उसका अहंकार दूर हो सके।
ऐसे अनुभव हमारे लिए कठिन प्रतीत हो सकते हैं, परन्तु वे आत्मा के लाभ के लिए होते हैं।

1 पतरस 1:6–7
“इस कारण तुम आनन्दित होते हो, यद्यपि अब थोड़े समय के लिए,
यदि आवश्यक हो, तो तुम्हें विभिन्न प्रकार की परीक्षाओं में दुख उठाना पड़ता है;
ताकि तुम्हारे विश्वास की परीक्षा — जो नाशवान सोने से भी अधिक मूल्यवान है, यद्यपि वह भी आग में परखा जाता है — यीशु

छः बातें जिनके द्वारा परमेश्वर मनुष्य के भीतर की बुराई को
दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

मसीह के प्रगट होने पर स्तुति, महिमा और आदर का कारण बने।”

4. लाठी (अनुशासन)

कुछ स्वभाव ऐसे होते हैं जिन्हें परमेश्वर अपने बच्चों में केवल अनुशासन के द्वारा सुधारता है।
जब हम जानबूझकर वही करते हैं जो वह पहले ही मना कर चुका है, तब उसकी “लाठी” अवश्य चलती है।

इब्रानियों 12:6–10
“क्योंकि जिसे प्रभु प्रेम करता है, उसे ताड़ना देता है, और जिसे पुत्र बना लेता है, उसे कोड़े लगाता है।
… हमारे पिता हमें थोड़े दिनों के लिये अपनी इच्छा के अनुसार ताड़ना देते थे; परन्तु वह हमारे भले के लिये ऐसा करता है, कि हम उसकी पवित्रता में भाग लें।”

नीतिवचन 22:15
“मूर्खता बालक के मन में बँधी रहती है, परन्तु ताड़ना की छड़ी उसे दूर कर देती है।”

छः बातें जिनके द्वारा परमेश्वर मनुष्य के भीतर की बुराई को
दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

5. झाड़ना / पवन चलाना (पेपेतो)

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला ने यीशु के विषय में कहा:

मत्ती 3:11–12
“मैं तो तुम्हें मन फिराव के लिये जल से बपतिस्मा देता हूँ; परन्तु जो मेरे पीछे आनेवाला है वह मुझसे अधिक सामर्थी है…
वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।
उसके हाथ में झाड़ने की चप्पल (पेपेतो) है, और वह अपनी
खलिहान को अच्छी तरह से साफ करेगा; और अपने गेहूँ को कोठार में इकट्ठा करेगा, परन्तु भूसी को न बुझनेवाली आग में जला देगा।”

जब यीशु तुम्हारे जीवन में आता है, तो वह तुम्हें भी झाड़ता है — जैसे गेहूँ से भूसी अलग की जाती है।
कभी तुम ऊँचाई पर जाते हो, फिर नीचे आते हो; कभी सफलता, कभी असफलता; कभी शांति, फिर अशांति — यह सब इसलिए ताकि तुम्हारे जीवन की भूसी उड़ जाए।

अब्राहम को देखो — परमेश्वर ने उसे ऊर से निकाला, कनान में ले गया, फिर मिस्र, फिर लौटाया — अंत में उसे विश्राम दिया जब सारी

छः बातें जिनके द्वारा परमेश्वर मनुष्य के भीतर की बुराई को दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

“भूसी” उससे अलग हो गई।
इसलिए जब तुम्हारा जीवन हिलता हुआ लगे, तो घबराओ मत; यह परमेश्वर का तरीका है तुम्हें शुद्ध करने का।

6. औषधि

यीशु को “चिकित्सक” कहा गया है (मरकुस 2:17)।
वह जानता है कि बहुत-सी बुराइयाँ हमारे भीतर के घावों और आत्मिक रोगों से उत्पन्न होती हैं।
इसलिए वह स्वयं तुम्हारा इलाज करता है।

कभी-कभी वह दुष्ट आत्माओं को निकाल देता है, कभी तुम्हारे हृदय में शांति और चंगाई लाता है, ताकि तुम फिर पाप की ओर न झुको।

प्रकाशितवाक्य 3:18
“मैं तुझे सम्मति देता हूँ कि तू मुझसे वह सोना मोल ले जो आग में तपा हुआ है, कि तू धनी बने; और श्वेत वस्त्र ले, कि तू उन्हें पहन ले, और तेरी नग्नता की लज्जा प्रगट न हो; और नेत्रों में लगाने की औषधि ले, कि तू देख सके।”

इस प्रकार, हे परमेश्वर के संतान, समझ लो — यह सब बातें

छः बातें जिनके द्वारा परमेश्वर मनुष्य के भीतर की बुराई को
दूर करता है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

तुम्हारे जीवन में घटेंगी।
यीशु के रक्त से शुद्ध होना तो आरंभ मात्र है; पवित्रीकरण जीवन भर चलता रहता है।

जो सच्चे अर्थ में आत्मा से भरा हुआ है, वह पहले जैसा नहीं रह सकता।
मुक्ति और पवित्रता एक साथ चलते हैं — उन्हें अलग नहीं किया जा सकता।
यही परमेश्वर का प्रेम है।

महिमा और आदर उसी के हों युगानुयुग।

प्रभु तुम्हें आशीष दे।
शालोम।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP[1]….

Share on:
WhatsApp
Endnotes:
1. WHATSAPP GROUP:
https://chat.whatsapp.com/L3ysoFZcz058XCX9oLvKL1?s=cl&p=a&mlu=4&ilr=4